MA-184

Total number of printed pages–3

14 (HIN-1) 1056

2019

HINDI

Paper : HIN-1056

(Bhāratīya Kāvyashāstra)

(भारतीय काव्यशास्त्र)

Full Marks : 64

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. भारतीय दृष्टिकोण से रस के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

रस-निष्पत्ति विषयक प्रमुख वादों का नामोल्लेख करते हुए आचार्य भट्टलोल्लट एवं श्री शंकुक के मतों की समीक्षा कीजिए।

2. ध्वनिकाव्य, गुणीभूत व्यंग्य-काव्य और चित्रकाव्य के स्वरूप पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 12

Contd.

अथवा

ध्वनि-सम्प्रदाय का ऐतिहासिक परिचय दीजिए।

3. शब्दालंकार, अर्थालंकार और उभयालंकार (शब्दार्थालंकार) के स्वरूप पर सोदाहरण विवेचन कीजिए। 12

अथवा

अलंकार-सम्प्रदाय के इतिहास पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

4. वक्रोक्ति की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए प्रबन्ध-वक्रता के प्रमुख छः उप-भेदों पर सम्यक् विचार कीजिए। 12

अथवा

वक्रोक्ति सम्प्रदाय को आचार्य कुन्तक की देन का मूल्यांकन कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से *किन्हीं चार* के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) 'अनुभाव' पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ख) रस के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'एते ह्यष्टौ रसाः प्रोक्त द्रुहिणेन महात्मना'—प्रस्तुत कथन के आधार पर रसों के प्रकार पर विवेचन कीजिए।

(घ) ध्वनि-विरोधी अभिमतों को संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) काव्य के लिए अलंकारों की अनिवार्यता पर टिप्पणी कीजिए।

(च) शब्द और अर्थ के सह-संबंध पर प्रकाश डालिए।

(छ) 'कवि स्वभाव' विषय पर टिप्पणी लिखिए।

(ज) 'विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः'—का तात्पर्य बताइए।